सतत
एवं
व्यापक मूल्यांकन
(CCE)
पद्धति पर
आधारित

आधुनिक हिंदी व्याकरण तथा रचना

कक्षा–IX एवं X
(कोर्स 'बी')

आधुनिक

हिंदी व्याकरण तथा रचना

(कोर्स 'बी')

नवीं व दसवीं

नई परीक्षा-प्रणाली के अनुसार पूर्णतया **संशोधित**
अनेक बहुविकल्पी प्रश्नोत्तरों से **सुसज्जित**
नई प्रणाली के 18 अभ्यास प्रश्न-पत्रों **सहित**
नए संशोधित अपठित गद्यांशों तथा काव्यांशों से **युक्त**
नई तरह के अधिकाधिक प्रश्नों से **संपन्न**

संकलनात्मक व रचनात्मक मूल्यांकन सहित

WIN A CASH AWARD OF ₹ 1000.00

It has come to our notice that some booksellers are fraudulently **selling fake/duplicate copies** of some of our fast selling titles.

In our sincere efforts to provide you with our genuine books and to protect you against these counterfeit books, Laxmi Publications (LP) has put a Hologram on the cover of **some of its fast selling** titles. The Hologram displays a unique 3D multi-level, multi-colour effect from different angles. It has the following three levels of flat graphics merged together. The background artwork seems to be 'under' or 'behind' the Hologram and gives the illusion of depth unlike the fake Hologram on the fake/duplicate books.

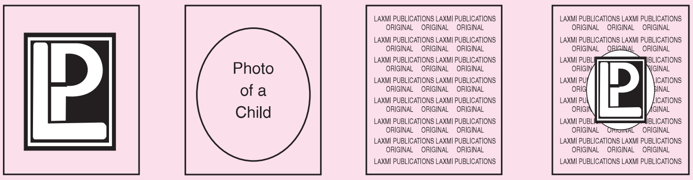

Channel 1 | Channel 2 | Background | Overlay

Presently, only some titles have got the Holograms. In this case, **Adhunik Hindi Vyakaran and Rachna for class IX and X** (New edition, priced at ₹ 260.00) has got the Hologram.

If you or any of your friends finds anywhere in India/abroad any book of this Edition without the LP Hologram, he/she is requested to write to us at **M/s LAXMI PUBLICATIONS PVT. LTD., 113, Golden House, Daryaganj, New Delhi-110002,** giving the name and address of the bookseller from where he/she purchased this book, together with the photocopy of the cover and the 2nd page on which the price of the book and name of the printer are printed. He/She will be sent a **cash award of ₹ 1000.00.**

How to decide if the book is genuine or fake?

1. The above information may or may not be printed.
2. The counterfeit edition of the book may have no LP Hologram or if it has, it will be without the illusionary depth as described above.

What is the harm in purchasing duplicate books?

— Poor quality of paper and printing which affect your eyes.

— No royalty to authors who are scholars and have put their hard labour in writing the book, thus depriving them of their intellectual rights.

Warning: Selling or buying pirated books is an offence. Legal action shall be taken against the bookseller(s) and student(s) or whoever found guilty of such an offence in any way.

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा निर्धारित नवीनतम पाठ्यक्रम के अनुसार

आधुनिक हिंदी व्याकरण तथा रचना

[सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) पद्धति पर आधारित, संकलनात्मक व रचनात्मक मूल्यांकन सहित]

[नवीं तथा दसवीं कक्षा (कोर्स 'बी') के विद्यार्थियों के लिए]

लेखक :

डॉ. अशोक बत्रा

एसोसिएट प्रोफेसर

हिंदू कॉलेज, सोनीपत

प्रकाशक

लक्ष्मी पब्लिकेशंज़ (प्रा.) लिमिटेड

कोचीन • कोलकाता • गुवाहाटी • चेन्नई • जॅलंधर

बंगलौर • मुंबई • राँची • लखनऊ • हैदराबाद

नई दिल्ली • बोस्टन, यू.एस.ए.

© सर्वाधिकार प्रकाशक के अधीन सुरक्षित हैं।

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise without the prior written permission of the publisher.

प्रकाशक :

लक्ष्मी पब्लिकेशंज़ (प्रा.) लिमिटेड
113, गोल्डन हाउस, दरियागंज,
नई दिल्ली-110002.

फोन : 011-43 53 25 00
फैक्स : 011-43 53 25 28

www.laxmipublications.com
info@laxmipublications.com

मूल्य : ₹ **260.00** *नवीनतम संस्करण*

शाखाएँ

✆ कोचीन	0484-237 70 04, 405 13 03	✆ बंगलौर	080-26 75 69 30
✆ कोलकाता	033-22 27 43 84	✆ मुंबई	022-24 91 54 15; 24 92 78 69
✆ गुवाहाटी	0361-251 36 69, 251 38 81	✆ राँची	0651-221 47 64
✆ चेन्नई	044-24 34 47 26	✆ लखनऊ	0522-220 99 16
✆ जॅलंधर शहर	0181-222 12 72	✆ हैदराबाद	040-24 65 23 33

T09-8560-260-A. HINDI VYAKARAN IX–X **C–R/013/05**

टाइपसैटिंग : जे.आर. इन्टरप्राइजिज, दिल्ली. *मुद्रक* : अजीत प्रिंटर्स, दिल्ली.

नई परीक्षा-प्रणाली : नई दृष्टि

प्रिय अध्यापकवृंद एवं विद्यार्थी गण !

आधुनिक हिंदी व्याकरण का नया संस्करण आपके हाथों में सौंपते हुए मुझे अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है। आप भली-भाँति जानते हैं कि केंद्रीय शिक्षा बोर्ड द्वारा नित-नूतन परिवर्तन किए जा रहे हैं। ये परिवर्तन पाठ्यक्रम को लेकर उतने नहीं हैं जितने कि परीक्षा-प्रणाली को लेकर।

नए परिवर्तन मुख्य रूप से निम्नलिखित हैं–

परीक्षा वर्ष में एक बार न होकर दो बार होगी। इसलिए पूरे पाठ्यक्रम को दो भागों में बाँटा गया है। **आधुनिक हिंदी व्याकरण** में दोनों सत्रों के हिसाब से 18 मॉडल टैस्ट पेपर बनाए गए हैं। पाठ्यक्रम को भी सत्रों के अनुसार संकलित किया गया है।

- इस बार से व्याकरण के बहुविकल्पी प्रश्नों को हटाकर उनके स्थान पर लघु उत्तरीय प्रश्न रखे गए हैं। **आधुनिक हिंदी व्याकरण** में तदनुसार संशोधन करके विपुल मात्रा में प्रश्नोत्तर संकलित किए गए हैं। सावधानी के तौर पर कुछ बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर भी सुरक्षित रखे गए हैं।
- अपठित गद्यांशों और पद्यांशों की शब्द-संख्या कम की गई है। उनमें से पूछे जाने वाले प्रश्न भी बहुविकल्पी होंगे। हर परीक्षा में ऐसे दो-दो गद्यांश और पद्यांश हल करने होंगे। आधुनिक हिंदी व्याकरण में इस परिवर्तन के अनुसार सभी गद्यांशों और पद्यांशों को संशोधित कर दिया गया है।
- केंद्रीय शिक्षा बोर्ड का प्रतिदर्श प्रश्न पत्र (सैम्पल पेपर) आ चुका है। आधुनिक हिंदी व्याकरण की सारी सामग्री प्रतिदर्श प्रश्न पत्र के अनुसार संशोधित और संवर्धित की गई है।
- अनुच्छेद-लेखन की भाषा और विवेचन छात्रों के स्तर के अनुसार ही रखा गया है। गत दस वर्षों में पूछे गए सभी अनुच्छेद इस पुस्तक में संकलित हैं।
- पत्र-लेखन के अंतर्गत पिछले दस वर्षों में पूछे गए सभी पत्र पूरे विस्तार से दिए गए हैं। इन्हें पढ़कर विद्यार्थी विश्वस्त हो सकेंगे।

☞ रचनात्मक परीक्षण अध्यापकों और विद्यार्थियों के लिए नई चुनौती के समान है। **आधुनिक हिंदी व्याकरण** में इस चुनौती से जूझते हुए कुछ व्यावहारिक तथा उपयोगी सामग्री दी गई है जिसे रास्ता बनाकर अनेकानेक रचनात्मक गतिविधियाँ आयोजित की जा सकती हैं। भाषण, वाद-विवाद, कविता बनाना-सुनाना, संस्मरण कहना, आँखों-देखा हाल सुनाना, यात्रा-वृत्तांत कहना, मंच-संचालन, सामूहिक चर्चा, व्याकरण आदि से संबंधित सामग्री आपके लिए नए पथ प्रशस्त करेगी।

हिंदी-लेखन के बारे में '**आधुनिक हिंदी व्याकरण**' का रुख अत्यंत सावधान, लचीला और सजग रहता है। एन.सी.ई.आर.टी. लेखन की जिस पद्धति को मान्यता देती है, उसी पद्धति के अनुसार पूरी पुस्तक को पुनः तराशा तथा सँवारा जाता है।

आशा है, गहन साधना से लिखी गई इस पुस्तक को आपका पहले से भी अधिक समर्थन मिलेगा। यह पुस्तक रोचक, स्तरीय और प्रामाणिक बने, इसके लिए आपके सुझावों और सम्मतियों की प्रतिपल प्रतीक्षा रहेगी।

हिंदी भाषा की सेवा में संलग्न !

आप में से ही एक !

–लेखक

विषय-सूची

खंड 'क'
अपठित गद्यांश एवं काव्यांश
(1–65)

I. अपठित गद्यांश ... **2–28**

II. अपठित काव्यांश ... **29–65**

खंड 'ख'
आधुनिक हिंदी व्याकरण—IX
(67–146)

1. वर्ण-विच्छेद *(वर्ण-विच्छेद, अनुस्वार, अनुनासिक, नुक्ता)* ... **68-86**

स्वर ... 69

व्यंजन ... 70

1. 'र्' के विभिन्न रूप ... 70
2. अनुनासिक (ँ) ... 71
3. अनुस्वार [बिंदु (ं)] व अनुनासिक ... 72
4. नुक्ता (आगत ध्वनियाँ) ... 75
5. वर्ण-विच्छेद ... 76

2. उपसर्ग और प्रत्यय ... **87-108**

I. उपसर्ग ... 87

II. प्रत्यय ... 97

3. संधि ... **109-129**

1. स्वर संधि ... 109
2. व्यंजन संधि ... 116
3. विसर्ग संधि ... 120

4. विराम-चिह्न (Punctuation) ... **130-140**

*** व्याकरण-अभ्यास-कक्षा IX** ... **141-146**

प्रथम-सत्र ... 141

द्वितीय-सत्र ... 144

खंड 'ग'
आधुनिक हिंदी व्याकरण—X
(147–247)

1. शब्द और पद में अंतर ... 148-166

1. संज्ञा (Noun) ... 149
2. सर्वनाम (Pronoun) ... 150
3. विशेषण (Adjective) ... 152
4. क्रिया (Verb) ... 155
5. अव्यय ... 156
6. निपात ... 159

पदबंध (Phrase) ... 159

2. रचना के आधार पर वाक्य-रूपांतरण ... 167-185

उपवाक्य ... 167
वाक्य-रूपांतरण ... 169

1. साधारण वाक्य से संयुक्त वाक्य ... 169
2. साधारण वाक्य से मिश्र वाक्य ... 170
3. संयुक्त वाक्य से साधारण वाक्य ... 171
4. मिश्र वाक्य से साधारण वाक्य ... 171
5. संयुक्त वाक्य से मिश्र वाक्य ... 172
6. मिश्र वाक्य से संयुक्त वाक्य ... 173

3. समास ... 186-198

1. अव्ययीभाव समास ... 186
2. तत्पुरुष समास ... 187
3. कर्मधारय समास ... 190
4. द्विगु समास ... 191
5. द्वंद्व समास ... 191
6. बहुव्रीहि समास ... 192

4. अशुद्धि-शोधन ... 199-215

पदक्रम संबंधी नियम ... 199
'ने' संबंधी नियम ... 200
अन्वय ... 201
अशुद्धियों के उदाहरण ... 203

5. मुहावरे–वाक्यों में प्रयोग ... 216-240

पाठ्य-पुस्तक में प्रयुक्त मुहावरे ... 226

पद्य-भाग	...	226
गद्य-भाग	...	228
'संचयन' में प्रयुक्त मुहावरे	...	232
* **व्याकरण-अभ्यास-कक्षा X**	...	**241-247**
प्रथम-सत्र	...	241
द्वितीय-सत्र	...	245

खंड 'घ'
रचना-भाग
(249–368)

I. पत्र-लेखन–IX	...	**250–267**
अनौपचारिक पत्र	...	250
1. बधाई-पत्र	...	252
2. धन्यवाद-पत्र	...	254
3. शुभकामना-पत्र	...	255
4. निमंत्रण-पत्र	...	256
5. संवेदना-पत्र	...	258
6. सूचना, सद्भावना या अन्य अनौपचारिक पत्र	...	260
II. पत्र-लेखन–X	...	**268-299**
औपचारिक पत्र	...	268
1. आवेदन-पत्र (Application)	...	268
2. शिकायती-पत्र	...	279
3. संपादकीय पत्र	...	284
4. पूछताछ संबंधी पत्र	...	292
5. सूचना और तत्संबंधी जानकारी	...	293
6. व्यावसायिक पत्र	...	294
7. अन्य पत्र	...	296

III. अनुच्छेद-लेखन ... 300–329

विचारात्मक अनुच्छेद

1. दया धर्म का मूल है
2. जैसी संगति बैठिए तैसोई फल दीन
3. सच्चा मित्र
4. दैव-दैव आलसी पुकारा
5. जैसा करोगे वैसा भरोगे
6. संघर्ष ही जीवन है।
7. पराधीन सपनेहुँ सुख नाहीं।
8. नर हो न निराश करो मन को
9. मन के हारे हार है मन के जीते जीत
10. पर उपदेश कुशल बहुतेरे
11. साँच को आँच नहीं।
12. समय बहुमूल्य है
13. श्रम का महत्त्व
14. परहित सरिस धर्म नहीं भाई
15. लड़का-लड़की एक समान
16. अनुशासन
17. एक और एक ग्यारह होते हैं
18. आज की बचत कल का सुख
19. सब दिन रहत न एक समान
20. सादा जीवन : उच्च विचार
21. अधिकार और कर्तव्य
22. जहाँ चाह वहाँ राह
23. मज़हब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना
24. निराशा छोड़ो काम करो
25. बुरा जो देखन मैं चला बुरा न मिलिया कोई
26. तेते पाँव पसारिए जेती लांबी सौर

राष्ट्रीय महत्त्व के अनुच्छेद

27. महिला सशक्तीकरण
28. राष्ट्र निर्माण में युवकों का योगदान
29. भारत के राष्ट्रीय पर्व
30. राष्ट्र हमारा सबको प्यारा
31. भारतीय किसान
32. भारत के गाँव
33. महानगरीय जीवन
34. लोकतंत्र और चुनाव

विविध समस्याओं पर अनुच्छेद

35. नैतिक पतन देश का पतन
36. भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन–कितने सार्थक
37. बचो विज्ञापनों से
38. भारत में बाल-श्रमिक समस्या
39. भ्रष्टाचार : एक समस्या
40. भारतीय समाज और अंधविश्वास
41. बेचारा बचपन
42. हमारे देश पर पड़ता विदेशी प्रभाव
43. बढ़ता आतंकवाद–एक चुनौती
44. बेरोजगारी
45. मदिरापान–एक सामाजिक कलंक
46. फिरौती और अपहरण की समस्या
47. तनावों से घिरा महानगरों का जीवन
48. बढ़ती जनसंख्या का भयावह रूप

खेल, पर्यावरण, विज्ञान, संचार आदि पर अनुच्छेद

49. हमारी नदियाँ और हम
50. पर्यावरण-संरक्षण
51. 20–20 क्रिकेट
52. जीवन में व्यायाम का महत्त्व
53. टी.वी. रियल्टी शो का समाज पर प्रभाव
54. दूरदर्शन : एक वरदान
55. जीवन में कंप्यूटर की उपयोगिता
56. मोबाइल फोन-सुविधा या असुविधा
57. ग्लोबल वार्मिंग के खतरे
58. प्रदूषण
59. मेट्रो रेल : महानगरीय जीवन का सुखद सपना
60. इंटरनेट : एक संचार-क्रांति
61. वन और हमारा पर्यावरण

विद्यार्थी जीवन पर अनुच्छेद

62. मेरे जीवन का लक्ष्य
63. आदर्श विद्यार्थी
64. छात्र-अनुशासन
65. पुस्तकों का महत्त्व
66. परीक्षा से डर लगता है।
67. विद्यार्थी जीवन और फैशन

मिश्रित अनुच्छेद

68. गरीब मज़दूर
69. चुनाव का दिन
70. कामकाजी नारी का एक दिन
71. नारी और नौकरी
72. विज्ञापनों का महत्त्व

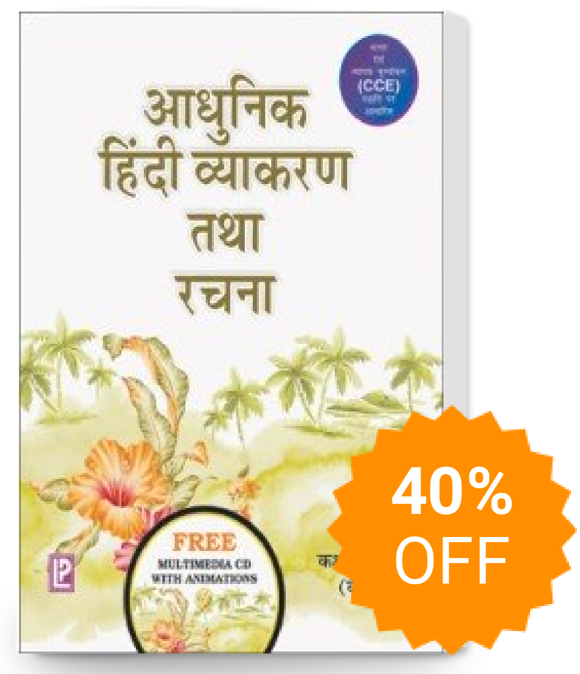

Publisher : Laxmi Publications ISBN : 9788131808269 Author : Dr.Ashok Batra

Type the URL : http://www.kopykitab.com/product/4107

Get this eBook